

संपादकीय

देलवे में खानपान व्यवस्था का बुरा हाल

माप दर्ताओं और मंसूबों के बाग जूट भारतीय रेल में विभिन्न सेवाओं से संबंधित शिकायतों का सिलसिला खड़ा ही नहीं होता। रेलगाड़ियों में परेसें जाने वाले भोजन की गुवाहा, स्वच्छा और शुद्धता को लेकर लंबे समय से शिकायतें मिलती रही हैं। उन्हें दूर करने के मकसद से भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्टिन निमग्न यानी आइआरसीटीसी का गढ़न किया गया। इसके लिए क्षेत्रीय रेल पर रखोड़ बनाई गई, वहाँ रेलवे होने वाले खानपान के निरीक्षण का त्रिविकासित किया गया। इससे बाहरी खानपान की गुवाहा और कीमतों में ममता पर कुछ हड़तक रोक ली गई, स्वच्छा और साफ़-सफाई पर भी ध्यान दिया जाने लाया, मार फिर ही शिकायतें मिनाने शुरू हो गईं। संसद की एक समिति ने रेल रेलवे की खिंचावी की है। आइआरसीटीसी को छठे रेल सर्वेझी भी बनाई थी, मार काम नहीं हो सकता कि खानपान संबंधी नीतियों वे बार-बार बदलाव की वजह से भी हड़तक रही है। संसदीय समिति ने इस बात के लिए भी रेलवे पर नामजग्नी जाहिर की कि खानपान संबंधी नीतियों वे बार-बार बदलाव की वजह से भी हड़तक रही है। संसदीय समिति ने रेलवे से जबवाब मांगा है कि जिन दृष्टि खानपान इकाइयों को अपेक्षत करने को कहा गया था, वह वर्तों नहीं हुआ। आइआरसीटीसी को छठे हरित रसोइ भी बनाई थी, मार काम नहीं हो सका।

2017 में नई खानपान नीति बनाई गई थी, उसकी समीक्षा के लिए दीनी समिति दरअसल, 2005 के बाद से अब तक तीन बार रेलवे खानपान संबंधी नीतियों में बदलाव किया जा चुका है। 2010 में यह काम क्षेत्रीय रेलवे को रोकी दिया गया था, फिर 2017 में इसे आइआरसीटीसी को दिया गया। इस नई नीतित गड़बड़ियों के बारे में रेल खानपान सेवा को लेकर एक प्रकार की अधिकारी रही अरु गुणवत्ता से समझौता होता रहा। 2017 में नई खानपान नीति बनी और उसकी स्पीकी के लिए संसदीय समिति गठित की गई, जब उसके कुछ महत्वपूर्ण बदलाव दिया था। मार समिति की तजा राप रेल जारी किया गया। यह वर्तों नहीं हुआ। आइआरसीटीसी को छठे हरित रसोइ भी बनाई थी, मार काम नहीं हो सका।

2025 तक बदलकर ₹4.3 ट्रिलियन हो गई। भारत ने बोते एक दशक में अपनी अर्थव्यवस्था को देखना कर दुनिया को चौंका दिया है। आईएमएफ के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, भारत की 2015 में \$2.1 ट्रिलियन थी, जो

भारत ने बीते एक दशक में अपनी अर्थव्यवस्था को दोगुना कर दुनिया को चौंका दिया

नई दिल्ली। भारत ने बोते एक दशक में अपनी अर्थव्यवस्था को देखना कर दुनिया को चौंका दिया है।



2025 तक बदलकर ₹4.3 ट्रिलियन हो गई। यह 105% की वृद्धि दर का दर्शाता है, जो अमेरिका (66%) और अमित मालवीय ने सोशल मीडिया पर आईएमएफ के बाबल से यह दावा किया है। भारत ने बोते एक दशक में अपनी अर्थव्यवस्था को देखना कर दुनिया को चौंका दिया है। आईएमएफ के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, भारत की 2015 में \$2.1 ट्रिलियन थी, जो

2025 तक बदलकर ₹4.3 ट्रिलियन हो

गई। यह 105% की वृद्धि दर का दर्शाता है, जो अमेरिका (66%) और अमित मालवीय ने सोशल मीडिया पर आईएमएफ के बाबल से यह दावा किया है। भारत ने बोते एक दशक में अपनी अर्थव्यवस्था को देखना कर दुनिया को चौंका दिया है। आईएमएफ के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, भारत की 2015 में \$2.1 ट्रिलियन थी, जो

2025 तक बदलकर ₹4.3 ट्रिलियन हो

सम्पादकीय

भारत के अगरबत्ती उद्योग में बाल श्रम में कमी आई, एनजीओ रिपोर्ट में हुआ खुलासा

नई दिल्ली। बाल अधिकारों से जुड़े अपने इलाकों में बाल श्रम का कोई मामला नहीं देखा। अध्ययन के

के

एक समय के अध्ययन में दावा किया गया है कि भारत के अगरबत्ती निर्माण उद्योग में बाल श्रम के मामलों में उल्लेखनीय गिरावट आई है। बिहार, कनाटक और अंध्रप्रदेश में किए गए इस अध्ययन में अगरबत्ती निर्माण उद्योग से बाल श्रम के उन्मूलन में हुई प्रगति पर क्राक्षण डाला गया है। लेकिन साथ ही घेरेलू स्तर पर बच्चों को अगरबत्ती बनाने के काम में लगे देखा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अगरबत्ती उद्योग ने बाल श्रम के परिणाम बताया। उन्होंने एक प्रमुख प्रिवेट बिल्डर आंकड़े दिये हैं। भारत को अगरबत्ती निर्माण उद्योग में बाल श्रम के मामलों में उल्लेखनीय गिरावट आई है। बिहार, कनाटक और अंध्रप्रदेश में किए गए इस अध्ययन में अगरबत्ती निर्माण उद्योग से बाल श्रम के उन्मूलन में हुई प्रगति पर क्राक्षण डाला गया है। लेकिन साथ ही घेरेलू स्तर पर बच्चों को अगरबत्ती बनाने के काम में लगे देखा।

अनुसार के बाल 8 प्रतिशत लोगों ने बच्चों को अगरबत्ती बनाने के काम में लगे देखा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अगरबत्ती उद्योग के अध्ययन के काम लोगों बच्चों को लेकिन चिंताई जारी रख गई है। अब उन्होंने एक प्रतिशत क्षेत्र में उल्लेखनीय गिरावट की जारी रखा है। उन्होंने इस अध्ययन में सड़कों पर उत्तरेंगे श्रमिक संगठन

'जस्ट राइट्स फॉर चिल्डरन अलायंस' द्वारा कई गैर सरकारी संगठनों के सहयोग से किए गए सत्कर्त रहना होगा, बच्चों और देश को पांच ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच देनी है। अगरबत्ती बनाने के काम पर क्राक्षण डाला गया है।

आगे का रास्ता और चुनौतियां

जारी रखना होगा। अगरबत्ती बनाने के काम में लगे देखा।

नई दिल्ली। बैंकों का कर्ज 11 फीसदी बढ़ा, जमा में 10% उछाल अब महिंद्रा के वाहन भी तीन फीसदी तक होंगे महंगे

महिंद्रा के वाहन भी तीन फीसदी तक होंगे महंगे

महिंद्रा एंड महिंद्रा भी अप्रैल से एसीसी व वाणिज्यिक वाहनों की कीमतों में तीन फीसदी की गिरावट आयी है। कंपनी ने कहा, बदली उत्पादन लागत और जिसों की कीमतें वृद्धि से यह फैसला लिया गया है। मारुति समेत कई कंपनियां भी दम बढ़ाने की ओर चली रही हैं।

देरहे हैं। इस कारण पिछले कुछ महीनों में कर्ज वृद्धि की रफ्तार घटी है।

हालांकि, अरबीआर्के के रत्नलाल करोड़ रुपये 70,000 भारतीय प्रतिभूति एवं विनियोग बोर्ड (सेबी) के पूर्णकालिक सदस्य अनंत नारायण जी ने शुक्रवार को कहा, अपेक्षित निवेश संलग्नकार और शोध विशेषज्ञ एक खतरा है, जो निवेश में लोगों को बढ़ाती रुचि का फायदा उठा रहे हैं।

बाजार नियमांश लागत और शोध विशेषज्ञ एक खतरा है, जो निवेश में लोगों को बढ़ाती रुचि का फायदा उठा रहे हैं।

साल मिन-इन्सुरेंस द्वारा के लागू होने

बैंक कर्ज 11 फीसदी बढ़ा, जमा में 10% उछाल अब महिंद्रा के वाहन भी तीन फीसदी तक होंगे

नई दिल्ली। बैंकों का कर्ज 11 मार्च को

समाप्त पखवाड़ तक सालाना आधार

पर 11.1 फीसदी की वृद्धि के साथ

225.10 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया।

इस अवधि के बाद बैंकों में जमा राशि 10.2

फीसदी बढ़ाकर 181.28 लाख करोड़

रुपये पहुंच गई। आरबीआर्के के ताजा

आंकड़ों के मुताबिक, मूल्य के लिहाज से देखो तो 7 मार्च को समाप्त पखवाड़ में बैंक कर्ज 1.38 लाख करोड़ रुपये बढ़ा है, जबकि जमा राशि में 2.25 लाख

करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की गई है।

बैंकों के विशेषज्ञों का कहना है कि नकदी की कीमत और जमा राशि जुटाने के दबाव के कारण कर्ज करने से बच रहे हैं।

जारी रखने के बाद बैंकों के कर्ज दरों

में बदलाव नहीं होने वाले हैं।

आगे का रास्ता और चुनौतियां

जारी रखना होगा। अगरबत्ती बनाने के काम में लगे देखा।

आगे का रास्ता और चुनौतियां

जारी रखना होगा। अगरबत्ती बनाने के काम में लगे देखा।

आगे का रास्ता और चुनौतियां

जारी रखना होगा। अगरबत्ती बनाने के काम में लगे देखा।

आगे का रास्ता और चुनौतियां

जारी रखना होगा। अगरबत्ती बनाने के काम में लगे देखा।

आगे का रास्ता और चुनौतियां

जारी रखना होगा। अगरबत्ती बनाने के काम में लगे देखा।

आगे का रास्ता और चुनौतियां

जारी रखना होगा। अगरबत्ती

